आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 26.02.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है।
- केदारनाथ धाम के कपाट आगामी 2 मई को सुबह 7 बजे श्रद्धालुओं के दशर्नाथ खोले जाएंगे।
- राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का डैशबोर्ड, उत्तराखंड में आपदा प्रबंधन प्रणाली को अधिक सटीक, त्वरित और पारदर्शी बनाएगा।
- प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर बदली करवट, यमुनोत्री धाम सहित राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कहीं–कहीं हल्की बर्फबारी।

महाशिवरात्रि

उत्तराखंड में महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। प्रदेशभर के शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। राजधानी देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, अल्मोड़ा और उत्तरकाशी सहित प्रदेश के विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालु जलाभिषेक और रुद्राभिषेक कर महादेव की आराधना में लीन हैं। आज तड़के से ही प्रदेश के विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है। हरिद्वार के दक्षेश्वर महादेव, ऋषिकेश के नीलकंठ महादेव, देहरादून के टपकेश्वर महादेव, अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम, उत्तरकाशी के विश्वनाथ मंदिर और पिथौरागढ़ के हट कालिका सहित विभिन्न शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक कर महादेव का आशीर्वाद ले रहे हैं।
राज्यभर में महाशिवरात्रि के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। विभिन्न धार्मिक संस्थाओं द्वारा भजन–कीर्तन और शिव महिमा के आयोजन किए गए हैं, जिससे वातावरण पूरी तरह से भक्ति और आस्था से ओतप्रोत हो गया है। मंदिरों में ओम नमः शिवाय के जयकारे गूंज रहे हैं। वहीं, सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन ने मंदिरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है, ताकि भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

केदारनाथ कपाट

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट आगामी 2 मई को सुबह 7 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। आज महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर केदारनाथ धाम के शीतकालीन गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मन्दिर में रावल भीमाशंकर लिंग की मौजूदगी मे पंचाग गणना के अनुसार कपाट खोलने की तिथि घोषित की गई।

अर्द्ध कुंभ

हरिद्वार में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले अर्ध कुंभ मेले की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में अर्ध कुंभ का आयोजन पहले से कहीं अधिक भव्य, दिव्य और सुरक्षित बनाने पर चर्चा की गई। गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आगामी अर्धकुंभ मेला 'कुंभ' के नाम से आयोजित किया जाएगा और इसमें हर स्तर पर तैयारियां सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि कुंभ की तैयारियों के लिए हाल ही में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें कई सुझाव सामने आए। गढ़वाल आयुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक भी आयोजित की जाएगी, जिसमें 2027 के अर्धकुंभ की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

पुलिस महानिरीक्षक, गढ़वाल, राजीव स्वरूप ने बताया कि बैठक में यातायात और पार्किंग व्यवस्थाओं के साथ ही भीड़ नियंत्रण की रणनीतियों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने यह भी बताया कि अर्धकुंभ के आयोजन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे की जानकारी बैठक में साझा की गई है, ताकि आयोजन के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चल सकें।

डै□ाबोर्ड

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के डैशबोर्ड से उत्तराखंड में आपदा प्रबंधन प्रणाली को अधिक सटीक, त्वरित और पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी। इससे आपदा की घटनाओं का त्वरित विश्लेषण करने और उचित निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। आपदा संबंधी डेटा को किसी भी स्थान से ऑनलाइन एक्सेस किया जा सकेगा। सभी जिलों से डिजिटल माध्यम से सूचनाओं का संकलन होगा, आपदा प्रबंधन तंत्र को अधिक प्रभावी एवं डेटा संचालित बनाने में मदद मिलेगी। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, हेमकुंड साहिब और शीतकाल के दौरान पांडुकेश्वर, ऊखीमठ, मुखवा और खरसाली में प्रतिदिन आगमन कर रहे तीर्थयात्रियों और वाहनों की सूचनाएं नियमित अपडेट की जाएंगी। डैशबोर्ड में आपदाओं के कारण होने वाली जनहानि, पशुहानि और परिसंपत्तियों की क्षति, सड़क दुर्घटनाओं का विवरण, आगामी दस दिनों का मौसम पूर्वानुमान, प्रदेश के विभिन्न जिलों में तैनात आपदा मित्रों की जीआईएस लोकेशन के साथ फोन नंबर, सेटेलाइट फोन की सूचनाएं और सड़कों के बाधित होने व खुलने की जानकारी समाहित होगी। गौरतलब है कि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के इस डैशबोर्ड का लोकार्पण किया था।

मौसम

प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट बदली है। उत्तरकाशी के यमुनोत्री धाम सहित राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कहीं–कहीं हल्की बर्फबारी की ख़बर है। मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले दो दिनों में राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है, जबकि इस अवधि में दो हजार आठ सौ मीटर से अधिक ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। खासतौर पर मौसम विभाग ने 28 फरवरी को उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, पिथौरागढ़ और बागेश्वर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बर्फबारी की चेतावनी जारी की है।

लखवाड़ परियोजना बैठक

देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने ऋषिपर्णा सभागार में लखवाड़ बांध परियोजना को लेकर बैठक ली। इस दौरान उन्होंने परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण और मुआवज़ा राशि का वितरण समय से पूरा करने के अधिकारियों को निर्देश दिये।
गौरतलब है कि लखवाड़ बांध परियोजना के लिए बजट में 285 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गयी है।